



बड़ किरण

हिंदी पाठ्य-पुस्तक

लेखक
सुशील कुमार सिंघल
तनिष्का अग्रवाल



**PETERSON
PRESS**

A UNIT OF
NAMAN PUBLISHING (INDIA) PVT. LTD.

3



PETERSON PRESS

(A unit of Naman Publishing (INDIA) Pvt. Ltd.)
Behind Silver Line School,
Laxmipuram, Rajpur Chungi, Agra-282001
Regd. Office : 7/209, Tulsi Chabootra, Taj Ganj, Agra
Mobile : +919837004559, 9927094441
Telefax : 0562-2481926
e-mail : namanpublishing@yahoo.com

New Edition

© All rights reserved.

No part of this book may be reproduced or copied in any form or by any means (graphic, electronic or mechanical, including photocopying, recording, taping, or information retrieval system) or reproduced on any disc, tape, perforated media or other information storage device, etc., without the written permission of the publishers.

Every effort has been made to avoid errors or omissions in this publication. In spite of this, some errors might have crept in. Any mistake, error or discrepancy noted may be brought to our notice and it shall be taken care of in the next edition. It is notified that neither the publishers nor the author or seller will be responsible for any damage or loss of any kind, in any manner, therefrom.

Written by :
Sushil Kumar Singhal
(M.A., M.Com., B.Ed., NET)

Designed by :



The contents, transparencies, illustrations and layout of this book are the sole property of Peterson Press, Agra and are copyrighted. Any reproduction in whole or in part in any form what so ever is strictly prohibited.



मन की बात

प्रिय पाठकवृन्द,

'नई किरण' पाठ्य-पुस्तक की रचना करते समय हमने पहले अनेक बिंदुओं पर विचार-विमर्श किया। फिर अपने विभिन्न सुधीजनों, टीम के सदस्यों, बच्चों की मनोदशा आदि पर भली प्रकार से विचार किया। इन सभी बिंदुओं पर विचार कर एक नया प्रयास किया गया जिसका रूप आपके सामने है। इस पाठ्य-पुस्तक के निर्माण में हमने नवीनतम राष्ट्रीय पाठ्यचर्या NCERT एवं CBSE द्वारा निर्धारित पद्धति का पूर्णरूपेण ध्यान रखा है। साथ ही साथ हमारा यह भी प्रयास रहा है कि बच्चों को उनकी प्राचीन परंपराओं से जोड़ते हुए उनका परिचय नए विचारों से भी कराया जाए ताकि वे अपनी जड़ों से जुड़े रहकर भी आधुनिकता की नई ऊँचाइयों को छू सकें।

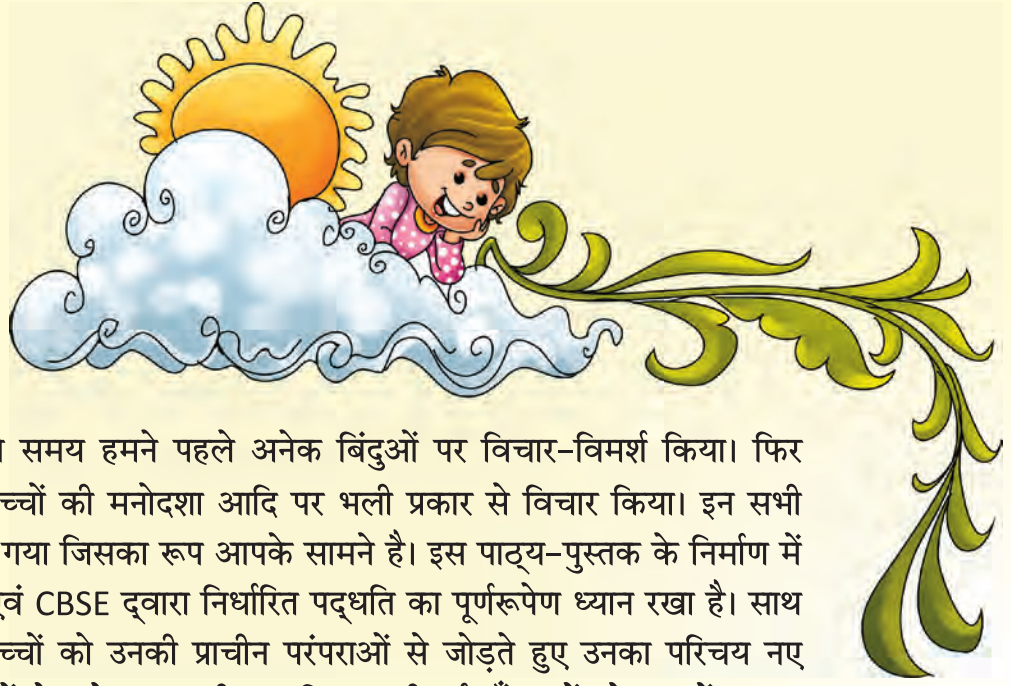
विद्यालय में प्रवेश लेते ही बच्चों को उसके वातावरण के साथ ताल-मेल बनाना होता है जिससे सीखने की प्रक्रिया सरल और सुगम हो सके। पठन के प्रति बच्चों की रुचि बढ़ाने हेतु इस शृंखला में विषय-वस्तु का चयन ज्ञान और मनोरंजन-दोनों दृष्टिकोणों से किया गया है। पुस्तक पठन, केवल वर्णमाला के अक्षरों और मात्राओं को सीखना ही नहीं अपितु सुनना-बोलना, पढ़ना-लिखना, सोचना-समझना जैसे कौशलों का विकास करना भी है।

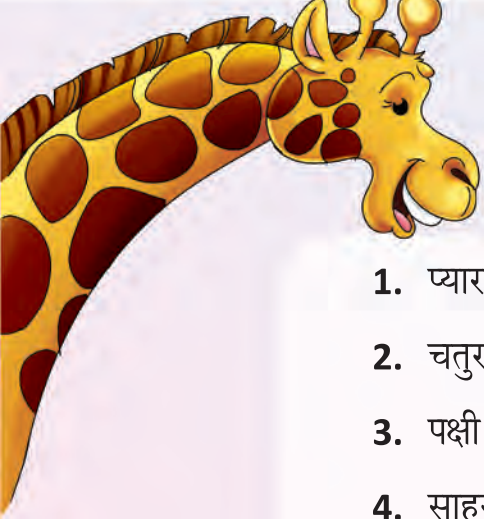
● 'नई किरण' हिंदी पाठमाला भाग 1 से 5 की कतिपय विशेषताएँ

- बस्ते का बोझ कम करने हेतु पाठ्य-पुस्तक तथा अभ्यास-पुस्तिका का मिला-जुला रूप।
- प्रतिदिन के अनुभवों से जुड़ी तर्कशक्ति तथा वैज्ञानिक दृष्टिकोण को बढ़ावा देने वाली रोचक विषय-वस्तु।
- पठन के प्रति रुचि जगाने के लिए आकर्षक, मनमोहक चित्रकथाएँ एवं लेख।
- बच्चों के स्तरानुरूप कहानी, कविता, एकांकी, घटना-वर्णन आदि से परिचय।
- भाषा में रुचि बढ़ाने हेतु अतिरिक्त पठन-सामग्री-मौज-मस्ती का समावेश।
- सरल परिभाषाओं के अतिरिक्त व्याकरण के व्यावहारिक पक्ष पर बल।
- प्रत्येक पाठ के प्रारंभ में पाठ चर्चा... के रूप में पाठ के पठन के प्रति जिज्ञासा उत्पन्न करना।
- शिशुओं के मूल्यांकन हेतु दो प्रश्नपत्र नए कलेवर में।

हमें आशा ही नहीं अपितु पूर्ण विश्वास है कि नई किरण का नया प्रकाश बच्चों का मार्गदर्शन कर पाठकवृन्द की रुचि का केंद्र-बिंदु बनकर हमारे प्रयास को सफल करेगा। आपके बहुमूल्य सुझावों की हमें सदैव प्रतीक्षा रहेगी।

-लेखक एवं प्रकाशक





पाठ-क्रम

- | | | |
|-------------------|-------------|----|
| 1. प्यारा भारत | कविता | 7 |
| 2. चतुर तेनालीराम | कहानी | 11 |
| 3. पक्षी की चाह | कहानी | 17 |
| 4. साहसी बच्चे | साहसिक घटना | 23 |



कछुआ और खरगोश (केवल पठन हेतु) 30

- | | | |
|-----------------------|-------------------|----|
| 5. नन्हीं बूँदें | कविता | 32 |
| 6. नाकदार चना | लोककथा | 36 |
| 7. मोगली आया गाँव में | विदेशी कथा | 43 |
| 8. डिस्कवरी चैनल | वैज्ञानिक जानकारी | 50 |



न्यूटन का रहस्य (केवल पठन हेतु) 56

स्वमूल्यांकन प्रपत्र-1 57

- | | | |
|------------------------|---------------|----|
| 9. ऋतुराज | कविता | 59 |
| 10. पौधे : हमारे मित्र | एकांकी | 62 |
| 11. प्यार भरा पत्र | पत्र | 70 |
| 12. जलती हाँडी | ज्ञान-विज्ञान | 76 |



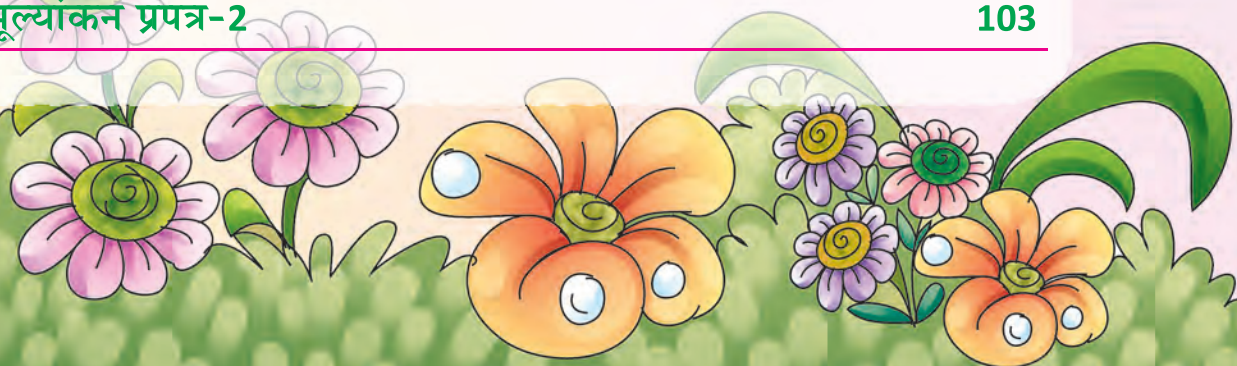
मित्र की मदद (केवल पठन हेतु) 82

- | | | |
|----------------------|---------|----|
| 13. रंगों का त्योहार | कविता | 84 |
| 14. मैं हूँ टी०वी० | आत्मकथा | 89 |
| 15. मिल गई साइकिल | कहानी | 97 |



जब गाँधी जी ने धोए कपड़े (केवल पठन हेतु) 102

स्वमूल्यांकन प्रपत्र-2 103



पुस्तक : एक नज़र में...



मौज-मस्ती

(केवल पठन हेतु)



अभ्यास



मौखिक कार्य.....



लिखित कार्य.....



भाषा की बात.....



विचार-कौशल.....



रचनात्मक कार्य.....

3 तोते की इच्छा

पाठ चर्चा : बहुत बड़ानी में पत्ती बंनेने वाले के पंगुल से मुक्ति दिलाने के लिए पंडित रामनिवास ने तोते खरीद लिया। वे उसका पूरा खान रखने में फिर भी तोता इस जीवन में बहुत चली का। अक्षरि क्यों? और फिर क्या हुआ? अक्षर, पक्षर करने...

एक दिन को बात है। पंडित रामनिवास शर्मा कथा-वाचन कर अपने घर वापस आ रहे थे। रास्ते में बाजार पहुंचा था। वहाँ से उन्होंने आवश्यक वस्तुएँ खरीदीं। बाजार में उन्होंने देखा, एक व्यक्ति सुंदर-सुंदर तोते बेच रहा है। वे तोता बेचने वाले के पास गए और एक तोता खरीद लिया जो 'राम-राम' कहता था।

घर आकर सारा सामान रखा और एक सुरक्षित स्थान पर उस तोते को ठोका दिया। धीरे-धीरे पंडित जी ने उसे बहुत कुछ सिखा दिया। कुछ ही दिनों में वह तोता बघनों की तरह बोलनी हो गया। अनेक लोगों ने पंडित जी से वह तोता खरीदना चाहा, परंतु पंडित जी ने किसी को न दिया। एक रात पंडित जी ने स्वप्न में देखा कि तोता उनसे विनम्रपूर्वक कह रहा था, "पंडित जी, आपने मुझे क्यों कैद कर रखा है? आप तो धार्मिक

कछुआ और खरगोश

एक बार तो वीडू लग गई, कछुआ और खरगोश में उठल-उठल कर दोनों दौड़े, भरे हुए थे जोश में।

बहुत तेज दौड़ा खरगोश, कछुआ चलता धीमी चला। खरगोश की तेजी देखकर, कछुआ होता है बेहाल।

खरगोश सोचता, मैं हूँ आगे, क्यों न कुछ पल सो जाऊँ। मेरी जीत तो निश्चित है फिर, क्यों न कुछ पल सुलाऊँ।

10 पौधे : हमारे मित्र

पाठ चर्चा : पिंकी और बंदी कवी विद्यापीठ को पक्षधर उन्हें ईमान करने हैं। बंधी-कवी बोल-बोल में कई पौधों और पुरानों की उदाहरण अर्पित होते हैं। पानी बकाब के रोने और बहने पर उन्हें यह पता चलता है कि अनामने में ही वे किसका बड़ा अग्रगण्य कर रहे हैं। आधों, अब और पक्षर जाने...

पात्र : बंदी, पिंकी, तितली, माली

(मंच के एक कोने में फूलों के चार गमले रखे हैं। एक ओर से बंदी और पिंकी का प्रवेश।)

पिंकी : बंदी देव तितली! (बंदी देखता है) चल, उसे पकड़ते हैं।
 बंदी : चल। (दोनों तितली पकड़ने की कोशिश करते हैं, मगर तितली पकड़ में नहीं आती और उड़कर गायब हो जाती है।)
 पिंकी : बंदी देव, कितने सुंदर फूल हैं! चल, उन्हें तोड़ते हैं।
 बंदी : चल। (बंदी फूल तोड़ता है तो पौधा ही उखड़ जाता है।)
 बंदी : पिंकी, चल, पौधे उखाड़ो-उखाड़ो खेलते हैं।
 पिंकी : चल। (दोनों तीन गमलों के पौधे उखाड़ डालते हैं।)

15 मिल गई साइकिल

पाठ चर्चा : बघनों! बहुत बड़ानी से पूरा चलता है कि यदि हम अपने घर से निकले तोता को अपने का प्रयोग करने हैं, तो वह हमें अक्षर मिला जाती है। कैसे? अक्षर, पक्षर करने...

साल वर्षीय पुनीत को किरमों देखने का बहुत शौक था। वह किरमों में जो कुछ देखता, उसे सब मान बैठता। पुनीत को साइकिल चलाने का भी बहुत शौक था, पर समस्या यह थी कि उसके पास साइकिल नहीं थी। जब वह अपने दोस्तों को घमघमाती साइकिल चलाते देखता, तो साइकिल चलाने के लिए उसका मन और भी मचल उठता। एक दिन पुनीत ने एक किरम देखा। किरम में उठी की उभ के एक गरीब लड़के राधक के पिता बहुत बीमार थे। उसके पास इतने पैसे भी नहीं थे कि वह अपने पिता का इलाज करा सके। वह अपने घर के बगीचे में बैठकर रोने लगा। तभी उसे अपने घर के नीचे कुछ चुपचा हुआ-माहमूस हुआ। जब उसने देखा, तो उसे लगा कि कोई दिव्या मिट्टी में अंदर गड़ा हुआ है। वहाँ की खुदाई करने पर उसे वहाँ सोने के सिक्कों का खजाना मिला गया, जिससे उसने अपने पितावा का इलाज करवाया। इस प्रकार उसके दिन बदल गए और उनकी गरीबी दूर हो गई।

किरम को समझा हो गई, पर यह क्या? किरम देखकर पुनीत के मन में एक बात अच्छी तरह बैठ गई कि अगर वह भी अपने बगीचे की खुदाई करेगा, तो उसे भी खजाना मिल जाएगा। इस पैसे से वह अपने लिए साइकिल खरीद सकेगा। पुनीत ने बगीचे की खुदाई करने का पक्का निश्चय कर लिया।

अगली सुबह उठते ही पुनीत बगीचे की खुदाई में लग गया। दोपहर होने तक उसने पूरा बगीचा खोद दिया, पर खजाना नहीं मिला। अब तक पुनीत पूरी तरह मिट्टी में नहा चुका था। वह बहुत उदास हो गया। उसे खुद पर बहुत क्रोध भी आ रहा था। वह चुपचाप धका हुआ उदास मन से नहाने चला गया।

थोड़ी देर में पुनीत की माता की बाहर आई। वे ईरान थीं कि बगीचे की खुदाई किसने कर दी? खैर, बहुत दिनों से वे बगीचे में गुलाब के पौधे लगाने की सोच रही थीं। उन्होंने वहाँ गुलाब के पौधे लगा दिए। जब वे अंदर आईं, तो उन्होंने पुनीत से बगीचे की खुदाई के बारे में पूछा। पुनीत ने रुझीसे स्वर में माँ को सारी बात बता दी। माँ ने समझाया, "बेटा, मेहनत कभी बेकार नहीं जाती!"

समस्याधान प्रश्न-2

पाठ 9 से 15 तक

प्रश्न 1 : कौन सा पक्षर सबसे तेज उड़ता है? (कौन सा पक्षर सबसे तेज उड़ता है?)

प्रश्न 2 : कौन सा पक्षर सबसे बड़ा है? (कौन सा पक्षर सबसे बड़ा है?)

प्रश्न 3 : कौन सा पक्षर सबसे छोटा है? (कौन सा पक्षर सबसे छोटा है?)

प्रश्न 4 : कौन सा पक्षर सबसे लंबा है? (कौन सा पक्षर सबसे लंबा है?)

प्रश्न 5 : कौन सा पक्षर सबसे कम उड़ता है? (कौन सा पक्षर सबसे कम उड़ता है?)

प्रश्न 6 : कौन सा पक्षर सबसे अधिक उड़ता है? (कौन सा पक्षर सबसे अधिक उड़ता है?)

प्रश्न 7 : कौन सा पक्षर सबसे अधिक उड़ता है? (कौन सा पक्षर सबसे अधिक उड़ता है?)

प्रश्न 8 : कौन सा पक्षर सबसे अधिक उड़ता है? (कौन सा पक्षर सबसे अधिक उड़ता है?)

प्रश्न 9 : कौन सा पक्षर सबसे अधिक उड़ता है? (कौन सा पक्षर सबसे अधिक उड़ता है?)

प्रश्न 10 : कौन सा पक्षर सबसे अधिक उड़ता है? (कौन सा पक्षर सबसे अधिक उड़ता है?)